Title: Need to develop the city of Nagpur as a substitute of the capital of India and also to develop Nagpur airport as a multi-model international passenger and cargo hub.

श्री विलास मुत्तेमवार (नागपुर) : माननीय सभापति जी, विश्व के घटनाक्रम ने हमें इस बात पर मजबूर कर दिया है कि देश की कोई वैकल्पिक राजधानी होनी चाहिए। आज विश्व के राजनैतिक वातावरण को देखते हुए सुरक्षा की दृटि से नागपुर जैसा उत्तम स्थान हिंदुस्तान में शायद ही हो। इस संबंध में मैं बताना चाहूंगा कि नागपुर देश के केन्द्र में है, महाराट्र की दूसरी राजधानी है और वहां राजधानी के लिए जो सुविधाएं होनी चाहिए वे उपलब्ध हैं। नागपुर देश के 100 शहरों से जुड़ा हुआ है और देश के किसी भी शहर से वहां पर डेढ़ घंटे में जाया जा सकता है। सन 1962 के चीन के आक्रमण के बाद माननीय पंडित नेहरू जी ने नागपुर और उसके आस-पास के क्षेत्र में रक्षा उत्पादन इकाइयां लगाई थीं। आज विश्व की स्थिति को देखते हुए इसे राजधानी के रूप में विकसित किया जाए।

नागपुर की विकास संभावना को देखते हुए महाराट्र सरकार ने यह निर्णय लिया है कि वर्तमान हवाई अड्डे को मल्टी मॉडल इंटरनैशनल पैसेंजर ऐंड कारगो हब के रूप में विकसित किया जाए। .... (व्यवधान) मैं इस संबंध में बताना चाहूंगा कि श्रीलंका में जाफ्ना एअरपोर्ट का जो हाल हुआ है वैसा ही हिन्दुस्तान में न हो, इस बात का आप ध्यान रखें। दिल्ली और मुम्बई खतरे में है इसलिए नागपुर को वैकल्पिक राजधानी बना कर वहां मल्टी मॉडल इंटरनैशनल पैसेंजर ऐंड कारगो हब बनाया जाए। इस पर सरकार अवश्य ध्यान दे।

SHRI KAMAL NATH : Sir, I also associate with him.

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : मैं भी इसमें एसोशिएट करता हूं।

सभापति महोदय : आपने भी एसोशिएट कर लिया है।